

15/26

पत्रावली पेश हुई। बाकी वकील उपस्थित हैं।
वादी की ओर से आदिशक्ता का रूप मोहम्मद
द्वारा प्रार्थना पत्र वाक्य विद्वां कार्यावाही का
उत्पन्न कर निवेदन किया कि वादी का उक्त
अन्धान उद्देश्य मैं अपनी ओर से आगे अन्ध
कार्यावाही नहीं करना चाहती हूँ। बाद पत्र को
इसी स्तर पर विद्वां कर कार्यावाही बन्द
करना चाहती हूँ। वादी को उक्त अन्धान
उद्देश्य को अधिकार में पुनः पेश करने के
अधिकार को सुरक्षित रखते हुये विद्वां की
अनुमति दिलाई जाय उद्देश्य की कार्यावाही
इसी स्तर पर बन्द कराई जाय उद्देश्य को
द्वारा कर माफा जाने का विवेकाधिकार

वादी का आदिशक्ता को ज्ञापन पर मुक्त
ज्या पत्रावली का अपलोडिंग किया गया।
वादी द्वारा उद्देश्य मैं आगे कार्यावाही नहीं
चाहते से उद्देश्य को अधिकार में पुनः पेश
करने के अधिकार को सुरक्षित रखते हुये
उद्देश्य को विद्वां किया जाना उचित है।

अतः वादी की ओर से उत्पन्न ज्ञापन
विद्वां कार्यावाही का स्वीकार किया जाय

हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशयल्य जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस हुक
की तामील में जारी

वादीका उकरण से आगे कोई कार्यवाही
नहीं कराने एवं वादीका ३ को उचित
उत्पन्न उकरण भविष्य से पुन पेक्षा
करने से अधिकार को सुरक्षित रखते
हुये उकरण से इसी त्तर पर आगे
की कार्यवाही बन्द की जाय उकरण
द्वारा कि उचित जाहा है। पनापली डे 6/5
सुभा लेटर नम्बर से उन हो

सहायक क्लर्क
(रपटी.के.) सुभा